GST

Hindi GST - Greek Aligned

तीतुस

संस्करण 44.1

[hi]

कॉपीराइट और लाइसेंसिंग

Hindi GST - Greek Aligned
तारीख: 2023-09-12
संस्करण: 44.1
द्वारा प्रकाशित: BCS

unfoldingWord® Hebrew Bible
तारीख: 2022-10-11
संस्करण: 2.1.30
द्वारा प्रकाशित: unfoldingWord

unfoldingWord® Greek New Testament
तारीख: 2023-09-26
संस्करण: 0.34
द्वारा प्रकाशित: unfoldingWord

License

Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0)

This is a human-readable summary of (and not a substitute for) the full license found at http://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/.

You are free to:

- **Share** — copy and redistribute the material in any medium or format
- **Adapt** — remix, transform, and build upon the material for any purpose, even commercially.

The licensor cannot revoke these freedoms as long as you follow the license terms.

Under the following conditions:

- **Attribution** — You must give appropriate credit, provide a link to the license, and indicate if changes were made. You may do so in any reasonable manner, but not in any way that suggests the licensor endorses you or your use.
- **ShareAlike** — If you remix, transform, or build upon the material, you must distribute your contributions under the same license as the original.

No additional restrictions — You may not apply legal terms or technological measures that legally restrict others from doing anything the license permits.

Notices:

You do not have to comply with the license for elements of the material in the public domain or where your use is permitted by an applicable exception or limitation.

No warranties are given. The license may not give you all of the permissions necessary for your intended use. For example, other rights such as publicity, privacy, or moral rights may limit how you use the material.

विषयसूची

तीतुस **4**
Chapter 1 4
Chapter 2 4
Chapter 3 5

योगदानकर्ताओं **7**
Hindi GST - Greek Aligned योगदानकर्ताओं 7

तीतुस

Chapter 1

1 मैं, पौलुस, यह पत्र तुझे लिखता हूँ, तीतुस। मैं परमेश्वर का एक सेवक हूँ और यीशु मसीह का एक प्रेरित हूँ। परमेश्वर ने मुझे उन लोगों को शिक्षा देने के लिए
भेजा, जिन्हे उसने अपने लिए चुन लिया है कि वे उस पर अधिक विश्वास करें। मैं उसके लोगों की सहायता करने का काम करता हूँ कि वे जान सकें सच क्या है,
ताकि वे परमेश्वर को प्रसन्न करने के तरीके से जी सकें। 2 उसके लोग सीख सकते हैं कि ऐसा कैसे जीना है क्योंकि उन्हें विश्वास है कि परमेश्वर उन्हें अनन्त
जीवन देगा। परमेश्वर झूठ नहीं बोलता। यहाँ तक कि, संसार के आरम्भ से पहले, उसने हमसे प्रतिज्ञा की है कि वह हमें अनन्त जीवन जीने देगा। 3 फिर, सही
समय पर, उसने अपनी योजना को इस सन्देश के द्वारा बताया, जिसका प्रचार करने के लिए उसने मुझ पर विश्वास किया। मैं यह परमेश्वर की आज्ञा का पालन
करने के लिए करता हूँ, जो हमें बचाता है।

4 मैं तुझे यह लिख रहा हूँ, तीतुस; तू मेरे लिए वास्तविक पुत्र के समान बन गया है, क्योंकि अब हम दोनों यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं। पिता परमेश्वर और
मसीह यीशु, जो हमें बचाता है, तुझ पर कृपा करता रहे और शान्तिमय आत्मा दे। 5 मैंने तुझको इस कारण से क्रेते द्वीप पर छोड़ा था: कि तू वो कार्य करे जो
अभी अधूरा है और प्रत्येक शहर के विश्वासियों के समूह के लिए अगुवों को भी नियुक्त करे जैसा मैंने तुझको करने के लिए कहा था। 6 अब हर अगुवा ऐसा हो
जिसकी कोई आलोचना न कर सके। उसकी केवल एक पत्नी होनी चाहिए, उसके बच्चे परमेश्वर पर भरोसा करते हों और लोग यह न समझे की उसके बच्चे
नियंत्रण से बाहर या हठीले हैं। 7 हर कोई जो परमेश्वर के लोगों का नेतृत्व करता है वह ऐसे व्यक्ति के समान होता है जो किसी और के नौकरों और संपत्ति का
प्रबंधन करता है, परन्तु वह परमेश्वर के लिए ऐसा कर रहा है। तो यह आवश्यक है कि उस व्यक्ति की अच्छी प्रतिष्ठा हो। उसे घमण्डी नहीं होना चाहिए और उसे
जल्दी गुस्सा नहीं आना चाहिए। उसे बिलकुल भी शराब पीने वाला नहीं होना चाहिए, न कोई ऐसा जो लड़ना और विवाद करना पसन्द करता हो और न ही
लालची हो।

8 इसके बजाय, उसे अजनबियों का स्वागत करना चाहिए और वो उन बातों से प्रेम रखे जो भली हैं। उसे सदा समझदारी से कार्य करना चाहिए और अन्य लोगों
के साथ निष्पक्षता और ईमानदारी से पेश आना चाहिए। उसे सदा इस प्रकार का कार्य करना चाहिए जो परमेश्वर को समर्पित व्यक्ति के लिए उचित है और उसे
सदा अपनी भावनाओं को नियंत्रित रखना चाहिए। 9 उसे उन सच्ची बातों पर विश्वास करना चाहिए जो हमने उसे सिखाई हैं, और उसे उनके अनुसार जीवन
जीना चाहिए। उसे ऐसा ही करना चाहिए जिससे कि लोगों को ऐसा ही जीवन जीने के लिए प्रेरित कर सके और यदि लोग इस तरह से जीना नहीं चाहते, तो उन
लोगों को सुधार सके।

10 मैं तुझे इसलिए ऐसा कहता हूँ कि बहुत से ऐसे लोग हैं, जो उन पर अधिकार रखने वालों की आज्ञा का पालन करने से इन्कार करते हैं। ऐसे लोगों की बातों
का कोई मूल्य नहीं होता। वे लोगों को गलत बातों पर विश्वास करने के लिए मनाते हैं। इस तरह के लोग अधिकतर उनके समान हैं, जो मसीह के सभी
अनुयायियों को खतना करने के लिए कहते हैं। 11 तुझे और उन अगुवों को, जिन्हे तू नियुक्त करता है, ऐसे लोगों को विश्वासियों को शिक्षा देने से रोकना चाहिए।
ऐसे लोग उन बातों को सिखा रहे हैं, जो उन्हें सिखाना नहीं चाहिए, पूरे परिवारों को गलत बातों पर विश्वास करने का कारण होते हुए। वे ऐसा केवल इसलिए
करते हैं कि लोग उन्हें पैसा दें। यह बड़ी शर्म की बात है।

12 क्रेते का एक व्यक्ति, जिसे उसके लोग भविष्यद्वक्ता मानते थे, उसने कहा, "क्रेती लोग सदा एक दूसरे से झूठ बोलते हैं। वे खतरनाक जंगली पशुओं के
समान हैं। वे आलसी हैं और सदा बहुत अधिक खाना खाते हैं।" 13 उसने जो कहा वह सच है, इसलिए उन्हें बलपूर्वक सुधार, ताकि वे विश्वास करें और परमेश्वर
के बारे में सही चीज़ें सिखाएँ।

14 उन्हें यहूदियों और आज्ञाओं द्वारा आविष्कृत कहानियों के अनुसार जीना बंद कर देना चाहिए जो परमेश्वर की ओर से नहीं आए थे। ये आज्ञाएँ उन लोगों से
मिलीं जिन्होंने सत्य को मानने से रोका है।

15 अगर कुछ लोग केवल अच्छा काम करने के बारे में सोचना या करना चाहते हैं, तो वे जो कुछ भी करते हैं, वह अच्छा होता है। लेकिन अगर लोग दुष्ट हैं और
मसीह यीशु पर विश्वास नहीं करते हैं, तो वे जो कुछ भी करते हैं वह बुरा है। ऐसे लोगों का सोचने का तरीका बर्बाद हो गया है। जब वे बुराई करते हैं तो वे भी
दोषी महसूस नहीं करते हैं। 16 भले ही वे दावा करते हैं कि वे परमेश्वर को जानते हैं, परन्तु जो कार्य वे करते हैं, उससे यह दिखता है कि वे परमेश्वर को नहीं
जानते। वे घृणित हैं। वे परमेश्वर की अवज्ञा करते हैं और परमेश्वर के लिए कुछ भी अच्छा नहीं कर सकते।

Chapter 2

1 परन्तु तेरे लिए, तीतुस, तुझे लोगों को यह सिखाना चाहिए कि जो लोग परमेश्वर के बारे में सच्चाई को मानते हैं उनके लिए उचित व्यवहार क्या है। 2 वृद्ध पुरुषों
को बता कि उन्हें हर समय अपने पर नियंत्रण रखना चाहिए और वे ऐसा जीवन जिएं जिसका दूसरे लोग सम्मान करें और उनको समझदारी से कार्य करना

चाहिए। उन्हें बता कि उन्हें परमेश्वर के विषय में सच्ची बातों पर दृढ़ता से विश्वास करना चाहिए, दूसरों से सच्चा प्रेम करना चाहिए और वे इन सब बातों को तब भी करें जब ऐसा करना कठिन हो।

3पुरुषों के समान, वृद्ध स्त्रियों को बता कि वे भी ऐसा जीवन जीएँ जिससे सब जानें कि वे परमेश्वर का बहुत आदर करतीं हैं। उन्हें बता कि उन्हें अन्य लोगों के विषय में ओछी या झूठी बातें नहीं कहनी चाहिए, और वे बहुत सी दाखरस पीने की आदी बिलकुल न हों। इसकी अपेक्षा, उन्हें दूसरों को यह सिखाना चाहिए कि अच्छा क्या है। 4इस प्रकार, वे युवा स्त्रियों को अपने पति और बच्चों से प्रेम करने की सलाह दे पाएँगी। 5वृद्ध स्त्रियों को युवा स्त्रियों को उनकी बातों और कार्यों को नियंत्रित करना भी सिखाना चाहिए, किसी भी पुरुष के प्रति अनुचित व्यवहार न करें, घर का कार्य अच्छे से करें, और जो उनके पति कहें, वही करें। उन्हें इन सब कार्यों को करना चाहिए ताकि कोई भी परमेश्वर के सन्देश का हम पर उपहास न करे।

6युवा पुरुषों के लिए, उनसे वैसे ही स्वयं को नियंत्रित करने का आग्रह कर। 7तुझे स्वयं निरन्तर अच्छा कार्य करना चाहिए कि दूसरे देखें कि उन्हें भी क्या करना चाहिए। जब तू विश्वासियों को सिखाता है, तो सुनिश्चित कर कि जो कुछ तू कहता है वह सच हो और इस तरीके से कह कि वो तेरा सम्मान करे। 8सही क्या है सन्देशों के द्वारा लोगों को सिखा जिसकी कोई आलोचना न कर सके, जिससे कि, यदि कोई तुझको रोकना चाहे, तो अन्य लोग उसे लज्जित करें, क्योंकि उनके पास हममें से किसी के बारे में उचित रूप में कुछ भी बुरा कहने के लिए नहीं होगा।

9उन विश्वासियों के लिए जो दास हैं, उन्हें सिखा कि वे सदा अपने स्वामीओं के अधीन रहें। उन्हें ऐसा जीवन जीने के लिए कह, जो उनके स्वामियों को हर प्रकार से प्रसन्न करता हो और वे उनसे विवाद न करें। 10उन्हें अपने स्वामियों की छोटी सी वस्तु की भी चोरी नहीं करनी चाहिए; इसकी अपेक्षा, उन्हें उनके प्रति विश्वासयोग्य बने रहना चाहिए और उन्हें सब कुछ इस रीति से करना चाहिए जिससे लोग उन सब बातों की प्रशंसा करें जो हम परमेश्वर के विषय में सिखाते हैं, जो हमें बचाता है ।

11विश्वासियों को इन अच्छी बातों में ऐसे पेश आना चाहिए क्यूंकि परमेश्वर हर एक को बचाने की पेशकश करता है, एक उपहार के रूप में जिसके लायक कोई भी नहीं है। 12इस निशुल्क उपहार के माध्यम से, परमेश्वर हमें गलत करने से और संसार के लोग जो करना चाहते हैं उससे रोकने के लिए प्रशिक्षित करता है। वह हमें समझदार बनना सिखाता है, कि जो सही है उसे करें, और इस वर्तमान समय में रहते हुए उसका पालन करें। 13इसके साथ ही, परमेश्वर हमें उसकी प्रतीक्षा करना सिखाते हैं जिस कार्य को वह भविष्य में निश्चय ही करेंगे, जो कि कुछ ऐसा है जो हमें बहुत प्रसन्न करेगा। अर्थात्, यीशु मसीह, हमारे उद्धारकर्ता और सामर्थी परमेश्वर, महान वैभव के साथ हमारे पास लौट आएँगे।

14उसने स्वयं को हमारी जगह मरने के लिए दे दिया ताकि हम उस तरह से जीने के लिए स्वतंत्र हो सकें जैसा कि परमेश्वर चाहता है कि हम रहें, और हमसे हमारे पाप को दूर करने के लिए ताकि हम उन लोगों का एक विशेष समूह बन सकें जो केवल उसी के हैं, और जो उत्सुकता से अच्छा करने की इच्छा रखता है।

15तीतुस, इन बातों के विषय में बोल। विश्वासियों से ऐसा जीवन जीने के लिए आग्रह कर, जैसा मैंने वर्णन किया है और जब वे ऐसा नहीं करते तो उन्हें सुधार, यदि आवश्यक हो तो उन्हें आदेश देने के लिए अपने अधिकार का उपयोग कर। सुनिश्चित कर कि वे सब तेरी बातों पर ध्यान दे।

Chapter 3

1तीतुस, हमारे लोगों को फिर से बताना जारी रख कि उन्हें उन लोगों का पालन करना चाहिए जो उन पर शासन करते हैं। जब भी वे सक्षम हों, उन्हें अच्छा करने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। 2उन्हें किसी के विषय में अपमानजनक बातें नहीं कहनी चाहिए। उन्हें शान्त होना चाहिए। उन्हें सब के साथ कोमलता से और अपने से अधिक महत्वपूर्ण व्यवहार करना चाहिए।

3हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि एक ऐसा समय था जब हम स्वयं मूर्ख थे और परमेश्वर के पालन के लिए अनिच्छुक थे। हमारी अपनी अभिलाषाएँ और सुख-विलास के प्रति हमारी इच्छा हमें गलत दिशा की ओर ले गई थी और हमने उनकी सेवा की जैसे की हम उनके दास हों। हम निरंतर एक दुसरे से डाह कर रहे थे और दूसरी बुरी चीज़ें कर रहे थे। हम लोगों के लिए घृणा करने का कारण हुए और हम एक दूसरे से घृणा करते थे। 4परन्तु जब परमेश्वर ने हमें दिखाया कि वह हमें बचाने के लिए उदारता से कार्य कर रहा था क्योंकि वह हमसे प्रेम करता है, 5उसने हमारे पाप को दूर करके हमें बचाया जैसे उसने इसे धोया दिया हो जैसे पवित्र आत्मा ने हमें नया बनाया और हमें अपने जीवन को फिर से शुरू करने के लिए सक्षम किया, परमेश्वर के लिए एक नए तरीके से जीने के लिए। उसने हमें इसलिए नहीं बचाया क्योंकि हम अच्छे काम करते हैं, बल्कि उसने हमें इसलिए बचाया क्योंकि वह दयालु है। 6परमेश्वर ने उदारता से हमें अपना पवित्र-आत्मा दिया, जब यीशु मसीह ने हमें बचाया। 7इस मुफ्त दान के द्वारा, परमेश्वर ने घोषणा की है कि उसके और हमारे बीच में सब कुछ सही बना दिया गया है। उसने हमें पवित्र आत्मा दिया ताकि हम सब कुछ में भागीदार हों जो प्रभु यीशु ने हमें देना है, विशेषकर उसके साथ अनन्त जीवन।

8यह एक ऐसा कथन है जिस पर हर कोई भरोसा कर सकता है। मैं चाहता हूँ कि तू इन बातों पर लगातार जोर दे ताकि परमेश्वर पर भरोसा रखने वाले लोग स्वयं को निरन्तर उन कार्यों को करने के लिए समर्पित कर सकें जो अच्छे हैं और जो दूसरों की सहायता करते हैं। यह बातें सबके लिए उत्तम और लाभकारी हैं।

9परन्तु बहुत से लोग तेरे साथ बेहूदी चीज़ों के बारे में बहस करना चाहेंगे, जैसे कि यहूदी पूर्वजों की सूची के बारे में। वे तुझसे बहस करना चाहेंगे और धार्मिक कानून के बारे में तुझसे विवाद करेंगे। उस सब से दूर रह। उस प्रकार की चीजें बेकार हैं और वे तेरी किसी भी तरह से मदद नहीं करती हैं। 10यदि कोई इन बाँटनेवाली गतिविधियों में सहभागी होने पर बल देता है तेरे एक या दो बार इसे बन्द करने की चेतावनी देने के बाद भी, तो उनके साथ कोई सम्बन्ध न रख, 11क्योंकि तू जानता है कि ऐसे किसी ने सच को अस्वीकार कर दिया है; वह पाप कर रहा है और स्वयं को दोषी ठहराता है।

12जब मैं तेरे पास अरतिमास या तुखिकुस को भेजूँ, तो मेरे पास निकुपुलिस शहर में आने के लिए पूरी कोशिश करना, क्योंकि मैंने सर्दियों में वहाँ रहने का
निर्णय किया है। **13**जेनास जो कानून-विशेषज्ञ है और अपुल्लोस को उनकी यात्रा में भेजने के लिए वो सब कर जो तू कर सकता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि
उनके पास वो सब है जिसकी उन्हें आवश्यकता है।

14उसी तरीके से, सुनिश्चित कर कि हमारे लोग उन लोगों के लिए जिन्हें सहायता की आवश्यकता है स्वयं को भले कार्य करने के लिए व्यस्त रखना सीखें । ऐसा
करने से, वे परमेश्वर के लिए एक उपयोगी रीति से जी रहे हैं।

15तीतुस, वे सभी जो मेरे साथ हैं, तुझको नमस्कार करते हैं। कृपया वहां सब को जो हमें अपने साथी विश्वासियों के समान प्रेम करते हैं, नमस्कार कहना।
परमेश्वर तुम सभी पर कृपा करता रहे।

योगदानकर्ताओं

Hindi GST - Greek Aligned योगदानकर्ताओं

Acsah Jacob
Amos Khokhar
Dr. Bobby Chellapan
Hind Prakash
Jinu Jacob
M.V Sunny
Robin
Vipin Bhadran
Zipson George